भारतीय वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान पत्रिका
वर्ष 31 अंक (1) जून 2023 पृ. 64-69
DOI: 10.56042/bvaap.v31i1.2731

कोविड-19 के बाद के दौर में ओपन एक्सेस का मीडिया कवरेज

अल्पना साहा एवं गोपालाकृष्णन महेश*
सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान, डॉ. के. एस कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली-110012
वैज्ञानिक एवं नवाचार अनुसंधान अकादमी (एसीएसआईआर) गाजियाबाद 201002 (उत्तर प्रदेश)

सारांशः ओपन एक्सेस (ओए) प्रकाशन दरों में पिछले एक दशक में काफी वृद्धि हुई है। हालांकि, कुछ अध्ययनों ने प्रारंभिक कैरियर शोधकर्ताओं की प्रकाशन गतिविधियों और दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य ओपन एक्सेस पर मीडिया की वर्तमान प्रकाशन गतिविधियों की जांच करना था और उनका वितरण भूगोल और मीडिया घरानों पर निर्भर था, जिन्होंने ओपन एक्सेस लेखों को कवर किया है। यह अध्ययन पिछले 3 वर्षों, यानि 2020 से 2022 तक फैक्टिवा डेटा बेस द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित है। विभिन्न संचार प्लेटफार्मों पर खुली पहुंच से संबंधित कितने लेख प्रकाशित किए गए हैं; चाहे वह प्रिंट मीडिया प्लेटफॉर्म हो या अन्य मीडिया फोरम, इन सभी का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है।

Media coverage of open access in post covid-19 era

Alpana Saha & Gopalakrishnan Mahesh
CSIR-National Institute of Science Communication and Policy Research, Dr. K.S. Krishnan Marg, New Delhi-110012, India
*Academy of Scientific and Innovation Research (AcSIR), Ghaziabad 201002 (Uttar Pradesh)

Abstract

Open Access (OA) publishing rates have increased dramatically over the past decade. However, few studies have focused on the publishing activities and attitudes of early career researchers. The purpose of this study was to examine the current publishing activities of media on open access and their distribution being dependent on geography and media houses, which have covered open access articles. The study is based on data collected by the Factiva database for the last 3 years, i.e., from 2020 to 2022. How many articles related to open access have been published on various news media platforms specifically newspapers; whether it is a print newspapers or electronic written news media and wires, all these have been studied extensively.

प्रस्तावना

पिछले कुछ वर्षों में खुली पहुंच (ओए) का चेहरा बहुत बदल गया है। कोविड-19 के बाद के दौर में कई विद्वानों के प्रकाशक ओपन एक्सेस मोड में चले गए थे। ओपन एक्सेस मूवमेंट सिर्फ दो दशक पुराना है लेकिन इसमें गहरा बदलाव देखा गया है। वर्ष 1990 में जब इंटरनेट अस्तित्व में आया, तो कुछ सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान वैज्ञानिकों ने विद्वानों के प्रकाशन को स्वतंत्र रूप से और आसानी से जनता के लिए उपलब्ध कराने पर काम करना शुरू कर दिया। कॉर्नेल विश्वविद्यालय में काम करने वाले एक प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी पॉल गिंसपार्ग की पहल के साथ arXiV.org नामक एक ओपन एक्सेस रिपॉजिटरी विकसित की, जो एक ईप्रिंट संग्रह है।[1]

आंदोलन आगे बढ़ा और आखिरकार 2010 से 2018 तक इससे संबंधित कई नीतियों और जनादेशों को अपनाया गया। 2018 तक प्रमुख यूरोपीय देशों ने खुली पहुंच को अनिवार्य करना शुरू कर दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करना शुरू कर दिया

कि सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अनुसंधान कार्य के साथ आने वाले लेखों को जनता के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उस समय के कई प्रख्यात वैज्ञानिकों का विचार था कि सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित शोध कार्य खुले तौर पर उपलब्ध होने चाहिए। 4 सितंबर 2018 को 11 यूरोपीय देशों की विज्ञान एजेंसियों ने प्लान एस पर हस्ताक्षर किए। इस योजना के अनुसार वैज्ञानिकों को 2020 तक ओपन एक्सेस पत्रिकाओं और स्वतंत्र रूप से उपलब्ध रिपॉजिटरी के लिए धन देने की आवश्यकता थी। इस योजना के अनुसार जो शोधकर्ता सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित धन के साथ अपना शोध कार्य करते हैं, उन्हें ओपन-एक्सेस शर्तों का पालन करना होगा। प्लान एस ने न केवल सदस्यता-आधारित पत्रिका में प्रकाशन पर प्रतिबंध लगा दिया, बल्कि कुछ समय बाद हाइब्रिड पत्रिकाओं के प्रकाशन को भी प्रतिबंधित कर दिया। इस प्रकार, प्लान एस ने पूर्ण ओए नीति को पूरी तरह से प्रचारित किया।[2]

2020 तक ओपन एक्सेस 2020 पहल (ओए 2020) सामने आई। यह अनुसंधान पूछताछ के अभिनव तरीके को बढ़ावा देने के लिए था ताकि अनुसंधान कार्य को अधिक प्रभावी तरीके से संप्रेषित और प्रसारित किया जा सके।[3]

हाल के दिनों में खुली पहुंच से संबंधित बहुत सारे महत्वपूर्ण विकास हुए थे, इसलिए यह देखने के लिए कि क्या ओपन एक्सेस मूवमेंट, ओपन एक्सेस प्रकाशन, नीतियों और जनादेश से संबंधित इन महत्वपूर्ण विकास और अन्य विचारों को दुनिया भर में अंग्रेजी भाषा के लोकप्रिय मीडिया हाउसों में उचित कवरेज प्राप्त हुआ है या नहीं।

अनुसंधान का उद्देश्य

1. अंग्रेजी माध्यम में दुनिया भर में खुली पहुंच के संबंध में उत्पादित समाचारों की संख्या देखने के लिए।
2. कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में खुली पहुंच विषय पर कवरेज संख्या में भिन्नता को देखने के लिए।
3. यह देखने के लिए कि किस मीडिया ने विशेष रूप से ओए के अधिकतम कवरेज किए।

कार्यविधि

इस शोध कार्य में हम 2020 से 2022 तक विभिन्न समाचार प्लेटफार्मों पर खुली पहुंच पर समाचार के संबंध में विभिन्न डेटा प्रदाताओं से एकत्र किए गए माध्यमिक डेटा का विश्लेषण किया गया है। प्राप्त आंकड़ों का गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण दोनों आयोजित किया गया है।

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में इन डेटा भिन्नताओं को कैसे और क्यों देखा जाता है, इसकी व्याख्या का भी ध्यान रखा जाता है।

इस थीम की योजना कोविड-19 महामारी के दुनिया भर में आने के बाद ओपन एक्सेस प्लेटफॉर्म की अग्रिम आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की गई थी। यहां तक कि ओपन एक्सेस मूवमेंट ने भी पिछले 10 वर्षों में अग्रिम गति प्राप्त की थी और महामारी इसके लिए एक उत्प्रेरक साबित हुई थी, जिसके कारण यूनेस्को 2021 में अपने सभी सदस्य देशों द्वारा ओपन साइंस कॉन्सेप्ट को अपनाने के साथ आया था।

एकत्र किए गए डेटा मुख्य रूप से नाममात्र या नॉमिनल डेटा हैं। उनमें से कुछ क्रमिक हैं उदाहरण के लिए, डेटा प्रदाताओं और मीडिया घरानों के नाम जिन्होंने इस शोध कार्य की निर्दिष्ट समय सीमा में ओपन एक्सेस से संबंधित समाचारों को कवर किया।

परिणाम एवं विवेचना

जनवरी 2020 से अगस्त 2022 की समयावधि में कोविड-19 समय के बाद वैश्विक स्तर पर मीडिया में ओपन एक्सेस से संबंधित समाचारों के मीडिया कवरेज को देखते हुए पता चलता है कि महामारी के दौरान दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में मीडिया ने ओपन एक्सेस पर कितना ध्यान दिया, जब ओपन एक्सेस को बढ़ावा देने के लिए आंदोलन चल रहा था। महामारी के समय में विज्ञान से संबंधित विद्वानों की जानकारी की उपलब्धता की आवश्यकता भी समय की आवश्यकता थी।

इस समय सीमा के दौरान फक्टिवा रिपॉजिटरी को देखा गया और हमने पाया कि ओपन एक्सेस से संबंधित कुल 259 समाचारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया में जगह मिली। इनमें से 241 समाचार अंग्रेजी भाषा में थे और 18 समाचार अन्य भाषाओं में दिखाई दिए।

इस उद्देश्य के लिए एक्सेस किए गए प्रमुख समाचार डेटा प्रदाता निम्नानुसार थेः

बिजनेस इनसाइट्स ग्लोबल

बिजनेस सोर्स कम्प्लीट

बिजनेस सोर्स इंडेक्स

रीजनल बिजनेस न्यूज

बिजनेस इनसाइट्सः एसेंशियल्स

न्यूज़वायर्स

सभी 259 समाचार सभी समाचार प्रदाताओं द्वारा कवर नहीं किए गए थे क्योंकि वे विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित थे। मशीन

तालिका 1 — 2020 से 2022 तक ओपन एक्सेस समाचार के लिए समाचार डेटा प्रदाता

सीरियल नंबर	समाचार डेटा प्रदाता	259 समाचारों में से पाया गया
1.	बिजनेस इनसाइट्स ग्लोबल	238
2.	बिज़नस सोर्स कम्पलीट	235
3.	बिज़नस सोर्स इंडेक्स	232
4.	रीजनल बिज़नस न्यूज़	196
5.	बिज़नस इनसाइट्सः एस्सेन्तिअल्स	118
6.	न्यूज़वायर्स	11

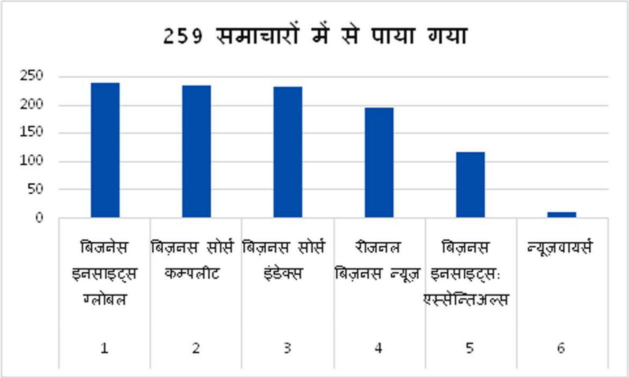

चित्र 1 — 2020 से 2022 तक ओपन एक्सेस के उच्चतम और निम्नतम डेटा प्रदाता

लर्निंग तंत्र के माध्यम से रिपॉजिटरी ने उपर्युक्त सभी समाचार प्रदाताओं तक पहुंच बनाई और मुझे किसी भी प्रकार के दोहराव के बिना 259 समाचार सामग्री प्राप्त की। यह जानने के लिए कि विभिन्न समाचार प्रदाताओं के डेटाबेस पर 259 समाचारों में से कितने दिखाई दिए, नीचे सारणीबद्ध हैः

तालिका 1 से प्राप्त आंकड़ों को देखते हुए यह देखा गया है कि ओपन एक्सेस पहल से संबंधित डेटा की सबसे बड़ी संख्या बिजनेस इनसाइट्स ग्लोबल पर और सबसे कम संख्या न्यूज़वायर्स डेटा प्रदाता पर पाई गई।

तालिका 2 को देखते हुए हम कह सकते हैं कि सभी 43 समाचार पत्र थे जिन्होंने कोविड-19 के बाद 2020-2022 की निर्दिष्ट अवधि में ओपन एक्सेस मूवमेंट, ओपन एक्सेस नीतियों और ओपन एक्सेस पब्लिशिंग और सूचना प्रणाली के बारे में आने वाली किसी भी चीज के बारे में प्रमुखता से लिखा था। हमे दस समाचार प्लेटफार्मों मिले, जिसे 2020-2022 के दौरान ओपन एक्सेस डेवलपमेंट पर एक लेख लिखने के कारण तालिका में जगह मिली। जबकि 16 मीडिया प्लेटफार्मों ने कोविड-19 के बाद पिछले तीन वर्षों के दौरान ओए पर दो समाचार लेख लिए।

तालिका 2 — 2020 से 2022 तक विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों पर ओपन एक्सेस समाचार का प्रकाशन

सीरियल नंबर	मीडिया प्लेटफॉर्म का नाम	OA news की संख्या
1.	मेना रिपोर्ट	105
2.	थे गार्डियन (लंदन, इंग्लैंड)	26
3.	टेलीकॉमवर्ल्डवायर	14
4.	थे टाइम्स ऑफ़ इंडिया	14
5.	टेलीकॉमवर्ल्डवायर (m^2)	10
6.	बिजनेस मिरर (मकाटी शहर, फिलीपींस)	8
7.	डेली टेलीग्राफ (लंदन, इंग्लैंड)	8
8.	फिलाडेल्फिया इन्क्वायरर (फिलाडेल्फिया, पीए)	4
9.	साउथ चाइना मोर्निंग पोस्ट (हाँग काँग)	4
10.	द अटलांटा जर्नल-कोन्स्तितुतिओन (अटलांटा, जीए)	4
11.	द हेराल्ड (ग्लासगो, स्कॉटलैंड)	4
12.	द टाइम्स (लंदन, इंग्लैंड)	4
13.	इक्विटीबाइट्स (m^2)	3
14.	द मिरर (लंदन, इंग्लैंड)	3
15.	स्कॉट्समैन (एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड)	3
16.	ऑटो व्यापार समाचार (abn)	2
17.	बैंगर दैनिक समाचार (बैंगर, में)	2
18.	कैनबरा टाइम्स	2
19.	डेली मेल	2
20.	डेली मेल (लंदन, इंग्लैंड)	2
21.	डे (नया लंदन, सीटी)	2
22.	ग्लोबल बैंकिंग न्यूज़ (GBN)	2
23.	लिवरपूल इको (लिवरपूल, इंग्लैंड)	2
24.	रुस्सिया एंड सीस बिज़नेस एंड फाइनेन्शियल न्यूज़ वायर	2
25.	साउथ चाइना मोर्निंग पोस्ट (नए क्षेत्र, हांगकांग)	2
26.	साउथ वेल्स इको (कार्डिफ, वेल्स)	2
27.	स्टार ट्रिब्यून (मिनियापोलिस, एमएन)	2
28.	संडे मेल (ग्लासगो, स्कॉटलैंड)	2
29.	संडे टेलीग्राफ (लंदन, इंग्लैंड)	2
30.	बर्मिंघम पोस्ट (इंग्लैंड)	2
31.	द न्यूयॉर्क टाइम्स	2

(क्रमशः)

तालिका 2 – 2020 से 2022 तक विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों पर ओपन एक्सेस समाचार का प्रकाशन (क्रमशः)

32.	द पाम बीच पोस्ट (वेस्ट पाम बीच, एफएल)	2
33.	एडवरटाइजर, द (एडिलेड)	1
34.	एयरलाइन इंडस्ट्री इनफार्मेशन (m^2)	1
35	ऑस्ट्रेलियन, द	1
36	लैन प्रोडक्ट न्यूज़	1
37	न्यूयॉर्क टाइम्स	1
39	सैटेलाइट टुडे	1
40	संडे टाइम्स (लंदन, इंग्लैंड)	1
41	टेली सर्विसेज न्यूज़	1
42	द आब्जर्वर (लंदन, इंग्लैंड)	1
43	द वाल स्ट्रीट जर्नल ईस्टर्न एडिशन	1

चित्र 2 – विभिन्न समाचार पत्रों और समाचारवायर पर ओए समाचार की आवृत्ति

इक्विटीबाइट्स (एम 2), दर्पण (लंदन, इंग्लैंड), और स्कॉट्समैन (एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड) ने मुख्य रूप से इस अवधि के दौरान ओए पर तीन समाचारों को कवर किया। पिछले 3 वर्षों में विश्व स्तर पर 5 अलग-अलग समाचार प्लेटफार्मों पर ओए पर 4 समाचार हैं। डेली टेलीग्राफ (लंदन, इंग्लैंड) और बिजनेस मिरर (मकाती शहर, फिलीपींस) ने कोविड-19 के बाद के युग के पिछले तीन वर्षों के दौरान 8-8 ओए लेख प्रकाशित किए। जबकि ''टेलीकॉमवर्ल्डवायर'' और ''द टाइम ऑफ इंडिया'' ने जनवरी 2020 से अगस्त 2022 तक 10 ओए लेख प्रकाशित किए।

किंवदंती: इस ग्राफ की समय सीमा 2020-2022 है

तालिका 3 – विश्व स्तर पर 2020 से 2022 तक ओए समाचार के कवरेज का भौगोलिक वितरण

सीरियल नंबर	देशों का नाम	ओए समाचार की संख्या
1	युनाइटेड किंगडम	131
2	संयुक्त राज्य	30
3	भारत	15
4	ऑस्ट्रेलिया	12
5	स्पेन	8
6	चीन	6
7	पेंसिल्वेनिया	4
8	फ़िलिपींस	4
9	रूस	4
10	कोलंबिया	3
11	आयरलैंड	3
12	ताइवान	3
13	यूक्रेन	3
14	अफ्रीका	2
15	ऑस्ट्रिया	2
16	अज़रबेजान	2
17	चिली	2
18	जापान	2
19	इराक	2
20	न्यूज़ीलैंड	2
21	विक्टोरिया	2
22	हांगकांग नया क्षेत्र	1
23	बर्गन काउंटी, न्यू जर्सी	1
24	बल्गारिया	1
25	क्रोएशिया	1
26	चेक गणराज्य	1
27	बेलारूस	1
28	फ़िनलैंड	1
29	जर्मनी	1
30	ईरान	1
31	केंटुकी	1
32	मेरीलैंड	1
33	नीदरलैंड	1
34	नॉर्वे	1
35	सऊदी अरब	1
36	दक्षिण कोरिया	1
37	स्वीडन	1

आंकड़े 2 के अनुसार मेना रिपोर्ट जनवरी 2020 और अगस्त 2022 के बीच ओए पर 105 लेख प्रकाशित करके मीडिया प्लेटफॉर्म की सूची में सबसे ऊपर है और ‘‘द गोडियन’’ लंदन, इंग्लैंड” 26 ओए लेखों के साथ दूसरे स्थान पर है।

तालिका 3 को देखते हुए यह पता चलता है कि यूनाइटेड किंगडम वह देश है जिसने ओपन एक्सेस पर सबसे ज्यादा समाचार प्रकाशित किये हैं 2020 से 2020 के बीच में। यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका और भारत क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे ओपन एक्सेस पर समाचार प्रसारित और प्रकाशित करने में। अगर चित्र 3 पर गौर करें तो पता चलता है कि यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका ने जो ओपन एक्सेस पर न्यूज़ बनाये हैं वे दोनों मिलाकर कुल न्यूज़ का आधा हैं। चित्र 3 से ये ज्ञात होता है कि ओपन एक्सेस पर न्यूज़ बनाने में कोविड के बाद के दौर में भारत और ऑस्ट्रेलिया भी पीछे नहीं है।

इस अध्ययन में हमनें जो समय सीमा ली है वह जनवरी 2020 से अगस्त 2022 तक की रही है। पर हम यहाँ बता दें कि इस अध्ययन समय सीमा के बाद भी भारत में कुछ अच्छे समाचार ओपन एक्सेस पर प्रसारित और प्रकाशित हुए हैं।

कुछ प्रकाशित समाचारों की विवेचना जरूरी है। द *हिन्दू* के अंग्रेजी संस्करण में 4 जनवरी 2023 को प्रकाशित समाचार में ओपन एक्सेस मूवमेंट को प्रमुखता से लिया गया था और उसका विस्तार से विवरण किया गया था। इस समाचार में भारत के ‘वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन’ स्कीम पर चर्चा की गई थी।[4]

एक जनवरी 2021 को डब्ल्यूएचओ ने अपनी ओपन एक्सेस की नीति को पुनः संसोधन के साथ प्रकाशित किया। जिसमें कास्ट ऑफ़ पब्लिकेशन से लेकर ओपन डाटा और रिसर्च मैटीरियल की उपलब्धता पर चर्चा की गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कास्ट ऑफ़ पब्लिकेशन ज्यादा नहीं होनी चाहिये और रिसर्च मैटीरियल शोधकर्ताओं को आसानी से ओपन एक्सेस प्लेटफार्म पर उपलब्ध होना चाहिए।[5]

परिणाम एवं विवेचना

शोध से पता चलता है कि कोविड 19 के बाद दुनिया ने ओपन एक्सेस के विषय में समाचार प्रकाशित और प्रसारित किये। इस शोध के आधार पर दुनिया की दस अग्रणी ओपन एक्सेस पर समाचार बनाने वाले देशों को देखें तो हम पाएंगे कि पश्चिमी देशों का इसमें वर्चस्व है। प्रथम और द्वितीय स्थान तो क्रमशः ब्रिटेन और अमेरिका का है। भारत और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान कर है। स्पेन, चीन, पेंसिल्वानिया, फ़िलिपींस, रूस और कोलंबिया क्रमशः पांचवें, छठे, सातवें, आठवें, नौवें और दसवें स्थान पर है। एशियन देशों को देखें तो भारत, चाइना और फिलिपींस शीर्ष 10 देश जो ओपन एक्सेस पर समाचार बनाने वाले हैं उनमें स्थान बनाते हैं। दस में से छह

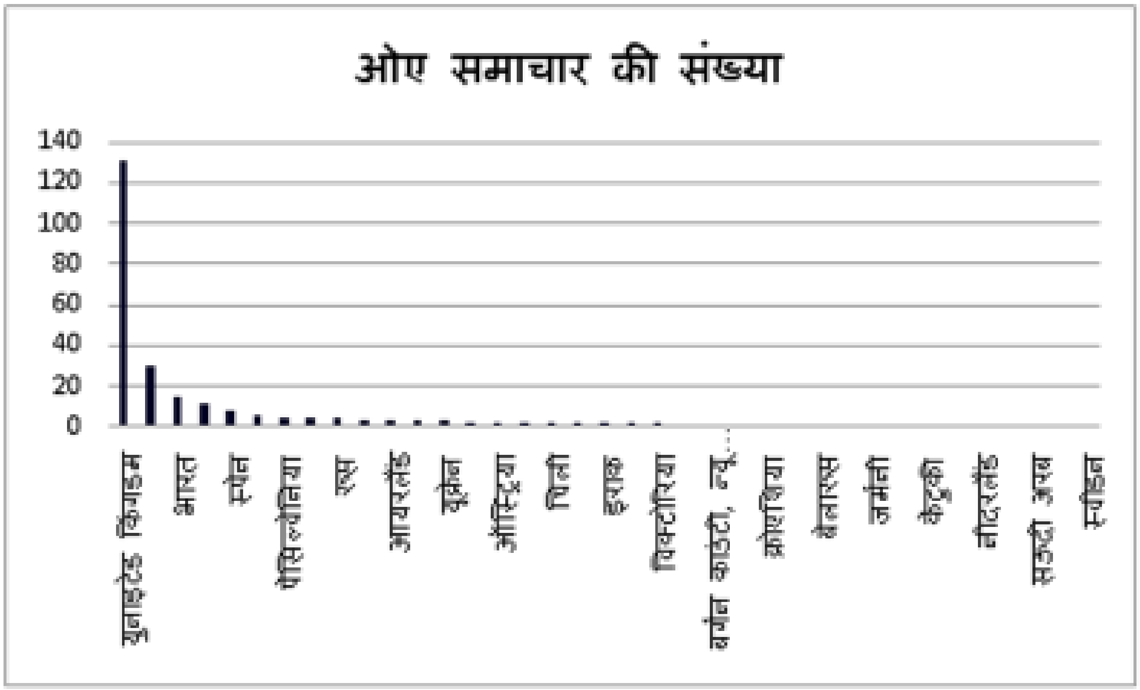

चित्र 2: विभिन्न समाचार पत्रों और समाचारवायर पर ओए समाचार की आवृत्ति

(पश्चिमी देश) देशों ने ओपन एक्सेस पर पिछले तीन वर्षो में समाचार प्रकाशित किये हैं, और शीर्ष दस में स्थान पा लिया है। इस शोध से हम यह कह सकते हैं कि ओपन एक्सेस पर पश्चिमी देशों में अधिक जागरूकता है।

संदर्भ

1. https://axial-acs-org/publishing /the- journey-to-open-access-past-and-present 12 अप्रैल 2023 को एक्सेस किया गया था।
2. अर्थशास्त्री।" खुलेपन का विस्फोट वैज्ञानिक प्रकाशन को हिट करने वाला है। 7 सितम्बर। अभिगमन तिथि 19 अगस्त, 2019.www-economist-com/open-future / 2018 /09 /07 /an-explosion-of- openness - is-about-to-hit-scientific-publishing.
3. URL: https://oa.org/ 12 अप्रैल 2023 को एक्सेस किया गया
4. URL: https://www.thehindu.com/sci-tech/science/the-open-access-movement-to-make-academic-papers-accessible-for-all/article66358199-ece 16 अप्रैल 2023 को एक्सेस किया गया
5. URL: https://www.who.int/about/policies/publishing/open-access 14 अप्रैल 2023 को एक्सेस किया गया।